वर्ष :: 33 अंक : 25
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता

झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 19 मार्च, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

डीसी ने पकड़ी वेदांता-इलेक्ट्रोस्टील की 'चालाकी' कंपनी को 55 करोड़ रु. जुर्माना का नोटिस थमाया

परत-दर-परत खुलती धांधली की पोल... हाउसिंग दखल बताकर वनभूमि पर चला रहे कारखाना, कर रहे व्यवसाय

- शशांक शेखर -

बोकारो : जिले के सियालजोरी और भागाबांध सहित आसपास के इलाके में सैकड़ों एकड़ सरकारी वन भूमि को हड़पकर बाद में उसे येन-केन-प्रकारेण अपने नाम कराने की कोशिश में लगी 'वेदांता इलेक्ट्रो स्टील' के काले कारनामों की कलई परत-दर-परत खुलती जा रही है। जमीन संबंधी इस धांधली की जांच के क्रम में ही बोकारो के उपायुक्त (डीसी) कुलदीप चौधरी ने एक ऐसी गड़बड़ी पकड़ी है, जो अपने-आप में चौंकाने वाली है। आश्चर्य की बात को यह है कि डीसी के अधीनस्थ मामले की जांच में लगे प्रशासन के ही एक वरिष्ठ अधिकारी ने कम्पनी की इस धोखाधड़ी को छुपाने की कोशिश की। जाहिर है, इसके पीछे कहीं न कहीं 'सेटिंग' होगी। खैर..., डीसी ने जमीन मूल्यांकन के क्रम में उस 'सेटिंग' को तोड़ते हुए नया खुलासा कर दिया।

दरअसल, कंपनी की ओर से अवैध रूप से दखल की गई वन भूमि को 'आवासीय' बताया गया था। जबकि, कम्पनी ने बिल्कुल ही नाजायज रूप से अतिक्रमण कर धारित उस जमीन पर इस्पात कारखाना स्थापित कर वहां व्यवसाय का संचालन शुरू किया और वह आज भी चल ही रहा है। सेटिंग देखिए, कंपनी ने 'इंडस्ट्री' को 'हाउसिंग' का मामला बताया और मामले की जांच कर रहे संबंधित अधिकारी ने इसे मान भी लिया। उन्होंने जुर्माना लगाने की औपचारिकता पूरी तो की, परंतु 'हाउसिंग' के हिसाब से ही। उन्होंने पहले कंपनी पर 20 करोड़ का जुर्माना लगाया। बाद में जब बात 'इंडस्ट्री' की समझ में आई, तो 20 करोड़ को बदलकर 35 करोड़ के जुर्माने का खाका तैयार किया। उन्होंने अपनी यह रिपोर्ट जब डीसी को सुपुर्द की, तो उन्होंने गहनता से इसकी जांच की। इसी क्रम में डीसी ने कंपनी की चालाकी पकड़ी। उन्होंने संबंधित अधिकारी को बताया कि इस जमीन के 'आवासीय' होने का तो सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि जमीन 'इंडस्ट्री' के नाम दखल है और उसका बाकायदा व्यावसायिक उपयोग भी किया जा रहा है। ऐसे में जुर्माना उसी हिसाब से लगेगा। इसके तहत डीसी ने कंपनी को 55 करोड़ रुपए के जुर्माने का नोटिस भेज दिया है। इधर, बार-बार संपर्क के प्रयासों के बावजूद खबर लिखे जाने तक कंपनी ने अपना पक्ष स्पष्ट नहीं किया।

डीसी बोले- कंपनी ने की है गड़बड़ी

इस मामले में डीसी कुलदीप चौधरी ने इस संवाददाता को बताया कि वेदांता-इलेक्ट्रोस्टील की ओर से वन भूमि हड़पने के साथ-साथ जमीन पर कारखाना चलाने और व्यावसायिक उपयोग की बात जमीन संबंधी रिकॉर्ड में छिपाई गई है। 'हाउसिंग' के नाम पर रिकॉर्ड बनवाया गया। संबंधित अधिकारी की जांच रिपोर्ट की समीक्षा में यह गड़बड़ी पकड़ी गई है। फिलहाल मामला राजस्व सचिव के पास है। उनके निर्देशानुसार अब आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कहीं फिर ठंडे बस्ते में चला न जाय मामला!

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार एक दूरदर्शी सोच के तहत नोटिस का मामला उपायुक्त से ऊपर राजस्व सचिव के स्तर पर पहुंचाया गया है। इधर, अंदरूनी सूत्रों से खबर है कि राजस्व सचिव बहुत जल्द केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले हैं। जाहिर है, अगर उनके प्रतिनियुक्ति पर जाने से पहले मामले की समीक्षा नहीं हुई, तो यकीनन यह मामला एक बार फिर ठंडे बस्ते में चला जाएगा। इसके साथ ही, धांधली पर नकेल कसने की उपायुक्त की कोशिश भी कहीं न कहीं व्यर्थ चली जाएगी।

सरकारी निर्देश के आलोक में किया गया मूल्यांकन

उपायुक्त, बोकारो के पत्रांक-3206/रा0, दिनांक-21.12.2022 के प्रसंग में राज्य सरकार के राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग के पत्रांक-5/स0भू0 बोकारो (ईएसएल)-80/16 237 (5)/रा0/, दिनांक-20 जनवरी, 2023 के द्वारा विभागीय पत्रांक-4321/रा0, दिनांक-07.12.2022 तथा वर्ष 2018 में विभागीय संकल्प सं0- 48/रा0, दिनांक- 03.01.2017 के आलोक में उपायुक्त, बोकारो को इलेक्ट्रोस्टील लिमिटेड द्वारा अवैध रूप से धारित भूमि की लीज बंदोबस्ती हेतु अद्यतन बाजार दर पर उक्त जमीन का मूल्यांकन करवाने का निर्देश दिया गया है। इसी आलोक में समीक्षा के दौरान 'हाउसिंग' और 'इंडस्ट्री' का गड़बड़झाला सामने आया।

उल्टा चोर कोतवाल के डांटे... कंपनी के अधिकारी ने नोटिस पर जताया ऐतराज

कंपनी के अधिकारियों की हठधर्मिता और 'ऊपरी पहुंच' देखिए कि डीसी के नोटिस को भी उन्होंने गलत बताते हुए इस पर कड़ा ऐतराज कर दिया। उपायुक्त के स्तर से होने वाली उक्त कार्रवाई के बारे में पहले ही सूचना संभवतः लीक कर दी गई और कंपनी के एक वरीय अधिकारी ने साफ-साफ कह दिया कि कंपनी इस नोटिस को नहीं मानता। ऐसे में 'उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' वाली कहावत यहां चरितार्थ होती दिख रही है। उनकी ओर से मामले को झारखंड सरकार के राजस्व सचिव के पास रेफर किया गया। कहा गया कि उनके स्तर से समीक्षा और फैसला लिए जाने के बाद ही कंपनी कोई जुर्माना दे सकेगी।

'वन-भूमि की लीज बंदोबस्ती गैर-कानूनी'

इस संबंध में वन विभाग की ओर से जमीन के मालिकाना हक को लेकर स्थानीय न्यायालय में केस की पैरवी कर रहे एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने सरकार की ओर से उक्त जमीन की लीज बंदोबस्ती संबंधी आदेश पर आश्चर्य प्रकट किया। उन्होंने कहा कि वन विभाग की जमीन किसी को लीज पर नहीं दी जा सकती। वन भूमि की प्रकृति को बदलना बिल्कुल ही गैर-कानूनी है। वैसे भी वेदांता-इलेक्ट्रोस्टील का कारखाना वन विभाग की जिस जमीन पर खड़ा किया गया है, उसके मालिकाना हक को लेकर न्यायालय में मामला लंबित है। फिर इसी बीच सरकार द्वारा उक्त जमीन की लीज बंदोबस्ती का आदेश दिया जाना समझ से परे है, क्योंकि यह गैर-कानूनी है।

- संपादकीय -

खतरनाक संकेत!

आज क्षेत्र, भाषा, धर्म और जातियों के नाम पर भारत को बांटने की साजिशें लगातार हो रही हैं। जहां खालिस्तान के नाम पर देशद्रोही ताकतें न सिर्फ भारत में अपना फन फैला रही हैं, बल्कि विदेशों में भी भारतीय धार्मिक स्थलों पर हमले की घटनाएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं। जबकि, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित कई अन्य नेता भारत को 'उत्तर' और 'दक्षिण' में बांटने की कोशिश में सक्रिय हो गये हैं। सच कहें तो यह भारत के लिए एक खतरनाक संकेत है। दरअसल, भारत की दो फिल्मों को इस वर्ष प्रतिष्ठित ऑस्कर अवार्ड मिला है, जो भारत के लिए खुशियों की सौगात है। इनमें एक है- 'आरआरआर', जिसके गाने 'नाटू-नाटू' ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग कैटेगरी का अवार्ड जीता, जबकि दूसरी फिल्म है- 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स', जिसने बेस्ट शॉर्ट डॉक्युमेंट्री कैटेगरी में बाजी मारी है। अब इस आस्कर अवार्ड को मल्लिकार्जुन खड़गे दक्षिण भारत की उपलब्धि बता रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह उपलब्धि भारत की नहीं, केवल दक्षिण भारत की है। अब अगर केरल की बात करें तो वहां की सरकार और वहां के मुख्यमंत्री चीन को अपना दोस्त मानते हैं। जबकि, दुनिया जानती है कि चीन भारत का सबसे बड़ा दुश्मन है। उधर, तमिलनाडु में काम करने वाले बिहार के मजदूरों के साथ मारपीट की घटनाओं की खबरें हाल के दिनों में सुर्खियां बटोरती रहीं। उन खबरों में बहुत हद तक सच्चाई भी सामने आ रही हैं, क्योंकि बिहार के लोग, जो वहां से जान बचाकर भागकर वापस लौटे हैं, उन्होंने अपने दर्द की कहानी सार्वजनिक रूप से बयां की है। सोशल मीडिया पर उनकी बातें वायरल हो रही हैं, जिसमें बताया जा रहा है कि वहां हिन्दी भाषी लोगों के साथ किस तरह के बर्ताव किये जा रहे हैं। लेकिन, बिहार की सरकार को शायद इन बातों से कोई लेना-देना नहीं, क्योंकि वहां के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्ष की राजनीति का एक मोहरा बनने के लिए बेचैन हैं। तमिलनाडु और केरल के मुख्यमंत्री वोटों की लालच में इन दोनों राज्यों को पूरे देश से काटना चाहते हैं। हिन्दी और उत्तर भारत के प्रति इसी राजनीति का नतीजा है, जो वहां के नेताओं ने लोगों की जेहन में भरा है। कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में हिन्दी विरोध की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। दुःखद तो यह है कि राहुल गांधी ने चुनाव के दौरान अपने लोकसभा क्षेत्र केरल के वायनाड में सार्वजनिक मंच से कहा था कि- 'साउथ इंडिया इज बेटर देन नॉर्थ इंडिया'। अब वोट की खातिर नेता गिरगिट की तरह किस कदर अपना रंग बदलते हैं, यह राहुल गांधी ने साबित कर दिया। इधर, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, कर्नाटक, हर जगह इसी तरह का अलगाववाद लोगों के मन में घर कर चुका है। अगर हम खालिस्तानी अलगाववाद की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया में भारतीयों के साथ-साथ वहां के मंदिरों पर हमले हो रहे हैं। जबकि, आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री से हाल ही में अपनी भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने यह वादा किया था कि ऐसी घटनाएं अब दोबारा नहीं होंगी। इसके बावजूद बुधवार को ब्रिसबेन में भारतीय दूतावास पर महज 15 से 20 खालिस्तान समर्थकों ने कब्जा कर लिया, लेकिन वहां की पुलिस कुछ नहीं कर सकी। पंजाब में भी यही हो रहा है। खालिस्तान समर्थक अलगाववादी वहां की पुलिस पर भारी पड़ रहे हैं। सच कहें तो देश के हर राज्य में अलगाववादी संगठन बढ़ते जा रहे हैं। लेकिन, दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि भारत के राज्यों में एकता नहीं है, क्योंकि वहां के जो नेता हैं, वही भारत को बांटना चाहते हैं। वोट की खातिर क्षेत्रीयता के आधार पर वे लोगों के दिलों में एक-दूसरे के खिलाफ नफरत पैदा की जा रही है। क्षेत्रवाद और अलगाववाद की इसी सोच का नतीजा है कि भारत के लोग एक राष्ट्र के नाम पर मिलकर कभी चल ही नहीं पाये। जबकि, भारतीय मनीषियों ने ही पूरे विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश दिया है। भिन्न-भिन्न भाषा-संस्कृतियों के बाद भी भारत अनेकता में एकता की मिसाल प्रस्तुत करता रहा है। इसलिए यह जरूरी है कि हम देशवासियों में क्षेत्रीयता के साथ-साथ राष्ट्रीयता की भी प्रबल भावना होनी चाहिए, अन्यथा वोट के सौदागर हमें आपस में बांटकर देश को खंडित करने की साजिश यूं ही करते रहेंगे।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

विलुप्त होती जा रही गौरैयों की चहचहाहट

पेंटिंग- वंदना

- डॉ. निरुपमा कुमारी -

20 मार्च- विश्व गौरैया दिवस पर विशेष

शेक्सपीयर के 'हैमलेट' और छायावादी कवियत्री महादेवी वर्मा की कविताओं की पात्र रही 'गोरैया' अब विलुप्त होती जा रही है। कभी घर-आंगन में चारों ओर चहकने वाली इस चिड़िया की फिक्र अब भारत सरकार को भी सता रही है। इस चिड़िया के घरौंदों को फिर से आबाद करने के लिए कई स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी सरकार से हाथ मिलाए हैं। 'इन हिमालयाज' ने विश्व गौरैया दिवस के मौके पर उत्तराखंड में घोंसला बनाने का एक कार्यक्रम शुरू किया है। इसके तहत लोगों में आकर्षक घोंसलों को बांटकर उनसे इस चिड़िया के संरक्षण की अपील की गई है।

आर्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रतीक पंवार बताते हैं कि दो साल पूर्व जब उन्हें यह कार्यक्रम शुरू करने का खयाल आया तो उन्होंने इसका फील्ड ट्रायल करवाया और योजना की संभावित सफलता की जांच की। अपने घोंसलों की बाबत वह कहते है, 'यह घोंसला मासूम पक्षी गोरैये के अंडों को शिकारी पक्षियों से बचाने एवं इनकी वंशवृद्धि में सहायता पहुंचाने के उद्देश्य से बनाया गया है। साथ ही, इससे पक्षी को निवास के लिए एक सुरक्षित स्थान मिलेगा।' इस कार्यक्रम को व्यापक रूप देने कि लिए संस्था ने कार्नेल लैब्स ऑफ ऑर्निथोलॉजी (यूएसए), नेवर फॉर इग्वर सोसायटी, इकोसिस एक्शन फाउंडेशन (फ्रांस), एवन वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट, दुधवा लाइव और बांबे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी से जुड़ने की भी ठानी है। भारत सरकार ने भी इसके संवर्धन के लिए तीन वर्षीय परियोजना शुरू की है।

पक्षी विशेषज्ञों का मानना है पक्के मकान बनने और बाग-बगीचों के उजड़ने से इस पक्षी की संख्या दिनो-दिन कम होती जा रही है। गढ़वाल विश्वविद्यालय के डॉ. एम.पी.एस. बिष्ट का कहना है कि यह पक्षी उत्तराखंड की लोकगाथाओं का प्रिय पात्र रहा है, लेकिन हमारे ग्रामीण परिवेश के बदल जाने से यह पक्षी पहले घरों से बेदखल हुआ और अब इसके ओझल हो जाने के संकेत मिल रहे है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि इस चिड़िया की कमी के लिए आधुनिक कीटनाशकों एवं भोजन की कमी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। आधुनिक उपकरणों से उत्पन्न रेडियो तरंगों के विनाशकारी विकिरण के प्रभाव से इसके अंडों से बच्चे निकलने बंद हो गए हैं। वायुमंडलीय प्रदूषण से भी इसकी आबादी नष्ट हो रही है। मानव आबादी के आस-पास, घर की छत पर और पेड़ों की टहनियों पर घोंसला बनाकर मनुष्य के बच्चों के साथ खेलने में व्यस्त रहने वाली गोरैया अब अस्तित्व के संकट से जूझने पर विवश है। यूं तो देश का वाइल्ड लाइफ एक्ट इस चिड़िया की सुरक्षा की बात करता है, लेकिन हकीकत में इन पक्षियों पर बहुत कम शोध हुए हैं।

पक्षियों के सर्वेक्षण का कोई व्यवस्थित तंत्र नहीं है। इनकी संख्या और स्वास्थ्य आदि से जुड़े स्पष्ट आंकड़े उपलब्ध नहीं है। दूसरे देशों में इस पर ध्यान दिया जा रहा है। ब्रिटेन में घरेलू गौरैयों की संख्या इस हद तक घटी है कि अंग्रेजों ने इस पक्षी को अपने रेडडाटा बुक में स्थान दिया है और इसके संरक्षण के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

गनीमत है कि हमारे यहां भी अब प्रयास शुरू हुए हैं। हमारे देश में गौरैया सभी राज्यों में समान रूप से पाई जाती है। हिन्दी-भाषी क्षेत्र में इसे गौरैया, तमिलनाडु और केरल में कुरूवी, तेलगु में पिछुका, कन्नड़ में गुब्बाची, गुजराती में चकली, मराठी में चिमानी, पंजाबी में चिरी, उड़ीसा में घरछतिया, पश्चिम बंगाल में धन पाखी, सिंधी में झिरकी नाम से जाना जाता है।

अंग्रेजी में गौरैया का 'स्पैरो' नामकरण कार्ल लीनियस ने किया था। कार्ल मॉडर्न बायोलॉजिकल टेक्सोनोमी के संस्थापक थे। इसके चुलबुले स्वभाव के कारण उन्होंने इसको स्पैरो नाम दिया।

(लेखिका वरिष्ठ शिक्षिका हैं।)

युद्ध

- बुद्धिनाथ झा -

मैथिली कविता

जीवन माझ अनेक युद्ध अछि,
अड़ि क' लड़' पड़ै छै
जेता केओ हो, भनहि कृष्ण हो,
निर्दय बन' पड़ै छै ।।

सोझां केहनहु प्रबल शत्रु अछि,
भीष्म द्रोण कृप कंस
ओ जं अन्यायक पक्ष दैत अछि,
तं देबे दारुण दंश।

हम पक्षधर परम सत्यकेर
सत्याराधित हमर भक्ति अछि ;
भक्ति शक्ति अणुबमहु सं बड़का
महाबली आ' परम शक्ति अछि !!

हंसगुल्लों के बीच जीवन का मर्म समझा गए पद्मश्री सुरेंद्र, तो डॉ. पंवार ने भर दी देशप्रेम की नई ऊर्जा

आयोजन : बोकारो में देश के नामचीन कवियों ने बिखेरी बहुरंगी छटा, श्रोताओं को किया मंत्रमुग्ध

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारोवासी वर्षों बाद एक ऐतिहासिक काव्य-अनुष्ठान का साक्षी बने। अवसर था कवि सम्मेलन का। बोकारो क्लब में बीएसएल की ओर से आयोजित इस राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में देश के नामचीन कवियों का जुटान हुआ और सभी ने अपनी रचनाओं के माध्यम से बहुरंगी छटा बिखेरी। माता-पिता के सम्मान, नारी की महत्ता, बच्चों के भटकाव, नैतिक मूल्यों का पतन, बिहार-झारखंड की परंपरा, आंचलिकता, टूटते-बिखरते परिवारों की दुर्दशा सहित पाकिस्तान की कुत्सित साजिश, आतंकवाद आदि विषयों पर अपनी विलक्षण काव्य-कृतियों से लोगों को उन्होंने मंत्रमुग्ध कर दिया। शहरवासी अंत तक कुर्सियों पर टिके रहे। कार्यक्रम में पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा एवं वीररस के प्रख्यात कवि डॉ हरिओम पवार की प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र रहीं। पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा ने 'अपनी इच्छाओं को सीमाओं में बांधे रखिए, वरना ये शौक गुनाहों में बदल जाएंगे', 'दीवारों में दरारें नहीं होतीं, घर में दरारें होने से दीवारें बनती हैं'' 'तमाचा मैंने मारा तो तमाशा मुझे भी खाना पड़ेगा' जैसी पंक्तियों से आज के युग में पारिवारिक संबंधों में बिखराव पर प्रकाश डालते हुए जीवन का मर्म समझा गए। इसके अलावा उन्होंने पति-पत्नी से संबंधित विभिन्न व्यंग्यवाण भी छोड़े, जिस पर श्रोता लोटपोट होते रहे।

वहीं, हरिओम पवार ने 'पाकिस्तानी गरम तवे पर हाथ सेंकना बंद करो...' सरीखे ओजपूर्ण पंक्तियों से आतंकवाद के पोषक पाकिस्तान और तालिबानी अत्याचार के सूत्रधार अमेरिका को जमकर लताड़ा। वीर ललकार भरी उनकी प्रस्तुतियों से बोकारो क्लब का पूरा सदन न केवल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा, बल्कि लोग 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' का उद्घोष करते रहे। उन्होंने लोगों में राष्ट्रभक्ति की ऊर्जा का संचार कर दिया।

काव्य सत्र का संचालन कर रहीं श्रृंगार रस की सुविख्यात कवयित्री सरिता शर्मा ने 'सारी दुनिया से दूर हो जाऊं, तेरी आंखों का नूर हो जाऊं', 'मां की आंखों में आंसू न देना कभी' जैसी पंक्तियों से लोगों को भाव-विह्वल कर दिया। झारखंड के दुमका के लाल नीलोत्पल मृणाल ने 'ऐ उदास मौसम उदास नहीं होना', 'दुनिया ऐसी हुआ करती थी' शीर्षक कविता के माध्यम से भारत की पारंपरिकता, गांव की आंचलिकता, लोक संस्कार और झारखंड के प्राकृतिक सौंदर्य का जीवंत प्रस्तुतीकरण किया। उन्होंने 'रील बनाने वाले लड़के' शीर्षक कविता सुनाकर युवा पीढ़ी में आये भटकाव पर कटाक्ष किया।

वहीं, जाने-माने हास्य कवि शंभु शिखर ने 'शंभु के संग खेलो, करो ठिठोली मितवा...' पंक्तियों के बीच एक से बढ़कर एक व्यंग्य प्रसंगों की चर्चा कर सभी को खूब गुदगुदाया। पद्मिनी शर्मा ने 'ढूंढो रे सांवरिया मेरा खो गया', 'तेरे लिए' शीर्षक कविताओं से समाज में नारी की भूमिका पर प्रकाश डाला। जबकि, जाने-माने स्टैंडअप कॉमेडियन गौरव शर्मा ने टीआरपी की खातिर अनर्गल बहस दिखाने, टीवी सीरियलों का महिलाओं पर प्रभाव आदि से संबंधित हंसगुल्लों से सभी दर्शकों को हंसाकर लोटपोट कर दिया।

युग-युगांतर तक जीवंत रहते हैं साहित्यकारों के शब्द : सांसद

कवि सम्मेलन का उद्घाटन मुख्य अतिथि धनबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद पशुपति नाथ सिंह, बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अमरेंदु प्रकाश सहित सभी आमंत्रित कविजनों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि सांसद श्री सिंह ने गोपाल सिंह 'नेपाली' की कविता को स्मरण करते हुए साहित्य प्रेम को अद्वितीय बताया। उन्होंने कहा कि साहित्यकार युग-युगांतर तक के शब्द बोलते हैं। उनकी कविताएं सदैव जीवंत रहती हैं। बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री प्रकाश ने बोकारो को लघु भारत बताते हुए यहां की साहित्यिक गतिविधियों के इतिहास पर संक्षिप्त प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बोकारो शहर नहीं, एक परिवार है। उन्होंने कोरोनाकाल में ऑक्सीजन आपूर्ति से लेकर युद्धपोत के निर्माण में 'सेल' की भूमिका पर भी चर्चा की। समारोह में जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी व एसपी चंदन झा भी उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र का संचालन बीएसएल के जनसंपर्क पदाधिकारी शुभनीत भटनागर ने किया। इसके बाद काव्य सत्र की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई।

तैयारी जिलास्तरीय शांति समिति की बैठक के साथ श्रीराम जन्मोत्सव के सफल आयोजन को लेकर प्रशासन ने कसी कमर

तय रूट पर ही 314 अखाड़े निकालेंगे रामनवमी जुलूस

संवाददाता

बोकारो : मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के जन्मोत्सव का त्योहार रामनवमी आगामी 30 मार्च को मनाया जाएगा। इसे शांतिपूर्ण माहौल मे संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। इसी के तहत शनिवार को उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक चन्दन कुमार झा ने संयुक्त रूप से जिला के अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी तथा सभी थाना प्रभारियों के साथ न्याय सदन के सभागार में अहम बैठक की। शांति समिति की प्रथम बैठक पूर्व मे संपन्न त्योहारों पर हुई कुछ छिटपुट घटनाओं पर प्रकाश डाला गया। चूंकि बोकारो जिला मे सभी त्योहार सौहार्दपूर्ण वातावरण मे संपन्न हुआ है फिर भी कोई चूक न हो, इसको लेकर जिला प्रशासन सभी पहलुओं पर कार्य कर रहा है। डीसी ने बताया कि चास अनुमंडल अंतर्गत कुल 78 अखाड़ों द्वारा जुलुस निकाला जायेगा, जिसमें 36 लाइसेंसी तथा 42 गैर लाइसेंसी हैं। वहीं, बेरमो अनुमंडल अंतर्गत 236 अखाड़ों द्वारा जुलूस निकाला जायेगा। सभी अखाड़ों की ओर से जुलूस निर्धारित रूट से ही निकाला जाएगा। जुलूस का मार्ग नहीं बदलेगा। चूंकि रमजान त्योहार इन्ही समयों मे शुरू हो रहा है, जिसे ध्यान मे रखते हुए जुलूस पर विशेष निगरानी रहेगी। संवेदनशील, अतिसंवेदनशील इलाकों पर विशेष गश्ती रहेगी, ताकि हमेशा की भांति भाईचारे के साथ रामनवमी त्योहार संपन्न हो। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रहेगी।

सौहार्द बिगाड़ने वाले किसी भी हाल में नहीं बख्शे जाएंगे : डीसी

उपायुक्त ने कहा कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले या असामाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जायेगा। जिला नियंत्रण कक्ष से सोशल मीडिया पर पैनी नजर रहेगी। जिला सोशल मीडिया टीम जिला नियंत्रण कक्ष से विभिन्न वाट्सएप ग्रुप, फेसबुक आदि पर नजर रखेगी। भड़काऊ पोस्ट डालने वालों पर तत्काल कार्रवाई होगी। डीसी-एसपी ने अधिकारियों को थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक कर आगामी 25 मार्च को निर्धारित शांति समिति की बैठक में प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा। डीसी ने कहा कि जुलूस के दौरान आपदा प्रबंधन के तहत संभावित आपात स्थिति के मद्देनजर एनडीआरएफ की टीम भी तैनात रहेगी।

बैठक में डीडीसी कीर्ति श्री जी, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार सिंह, अपर समाहर्त्ता सादात अनवर, चास एसडीओ चास दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, बेरमो एसडीओ अनंत कुमार, डीसी के विशेष कार्य पदाधिकारी विवेक सुमन, डीपीआरओ राहुल कुमार भारती, दोनों अनुमंडल पुलिस उपाधीक्षक, सभी सीओ व सभी बीडीओ, सभी डीएसपी समेत अन्य पदाधिकारी व थाना प्रभारी मौजूद रहे।

विरोध की बुनियाद पर दोहरीकरण

संगीन के साए में विकास... ग्रामीणों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प के बाद धनघरी में सन्नाटा

संवाददाता

बोकारो : टीटी रेललाइन दोहरीकरण को लेकर धनघरी गांव में पुलिस और ग्रामीणों के बीच हुए हिंसक झड़प के बाद से लगातार सन्नाटा पसरा है। विरोध की बुनियाद पर दोहरीकरण का बाकी काम शुरू हो चुकी है। खबर लिखे जाने तक गांव में माहौल तनावपूर्ण बना था और पुलिस गांव की गलियों में भी पहरा दे रही थी। संगीन के साए में ही विकास का काम चल रहा था। पहले तो रेलवे लाइन के दोहरीकरण बाधित करने को लेकर जिस तरह लोग बुधवार को उग्र थे, झड़प के बाद कोई भी कुछ बोलने को तैयार नहीं दिखे। इधर, पुलिस पर हुई पत्थरबाजी के साथ रेलवे के काम को बाधित करने के आरोपी 37 नामजद सहित 150 अज्ञात लोगों पर चास के सीओ दिलीप कुमार ने हरला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

दर्ज प्राथमिकी के अनुसार जिले के डीसी के निर्देश पर बोकारो-तलगड़िया रेलवे लाइन के दोहरीकरण के काम को सुचारू रुप से चालू कराने के लिए जिले के अधिकारियों के साथ पुलिस अधिकारी, रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी और जवान रेलवे लाइन के पास सुबह में 5.30 बजे पहुंचे थे, जहां पर धनघरी गांव के फिरोज अंसारी, सैयद अंसारी, खाजू अंसारी, अजमद अंसारी, इदरीश अंसारी आदि 100-150 अज्ञात लोगों ने मिलकर पुलिस अधिकारियों के साथ जवानों पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। इसमें कई पुलिस अधिकारी और जवान जख्मी हो गए। बताया जाता है कि सुबह जब जेसीबी से रेलवे ट्रैक को समतल करने का काम शुरू हुआ तो महिलाओं ने जेसीबी को रोकने की कोशिश की। उसी दौरान महिला पुलिस बल ने वहां से उन्हें जबरन हटा दिया गया। उसके बाद महिलाएं पहले से जमा कर रखे गए पत्थर के ढेर के पास गई और पत्थरबाजी शुरू कर दी। जब पत्थरबाजी शुरू हुई, तब पुलिस बल की ओर से जवाबी कार्रवाई में लाठीचार्ज किया गया।

युद्धस्तर पर चल रहा काम, बिछाई जाएगी 700 मीटर पटरी

बोकारो एन-केबिन से तालगड़िया तक 38 किलोमीटर रेलवे लाइन के दोहरीकरण का काम धनघरी गांव में जमीन विवाद को लेकर पिछले 6 महीने से अधूरा पड़ा था। गांव के पास से 700 मीटर रेलवे लाइन बिछाने को लेककर बीते 6 महीने से विवाद चल रहा था। पुलिस और ग्रामीणों के बीच हुई झड़प के बाद रेलवे ने जमीन को समतल कर पटरी बिछाने का काम शुरू कर दिया। 700 मीटर रेलवे लाइन को लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए धनधरी गांव के पास 24 घंटे युद्ध काम किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले 24 सितंबर 2022 को रेलवे ने वहां से अतिक्रमण हटाया था, तब से ही वहां पर रैयत धरना पर बैठे थे। रैयतों ने अपनी समस्या को जिला प्रशासन से लेकर सरकार तक रखी।

अपर समाहर्ता बोले- अब मुआवजा संभव नहीं

अपर समाहर्ता सादात अनवर ने कहा कि ग्रामीणों की तीन मांगें थी। जिसमें वर्ष 2013 के भू-अर्जन अधिनियम के अनुसार मुआवजा दी जाए, जो कि संभव नहीं है। वहीं उनलोगों को डीपीएलआर की ओर से 10-10 डिसमिल जमीन दी जा चुकी है। उस जमीन का वे लोग रकवा बढ़ाने को कह रहे थे। तीसरी मांग थी कि हमलोगों की जमीन के बदले एक ही को नौकरी दी गई, इसलिए अब और अन्य लोगों को भी नौकरी दी जाए। जबकि, ये तीनों मांगें जिला प्रशासन स्तर से संभव नहीं है।

राजकीय डिग्री कॉलेज में शीघ्र शुरू हो पढ़ाई : डॉ . लंबोदर

संवाददाता

बोकारो : जिले के गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने बोकारो जिले के गोमिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गोमिया प्रखंड में विगत कई वर्षों से बनकर तैयार राजकीय डिग्री कॉलेज की त्रुटियों का निराकरण करते हुए डिग्री कॉलेज का शुभारंभ एवं आगामी शैक्षणिक सत्र से शिक्षण कार्य प्रारंभ करने की मांग की है। उन्होंने यह मांग बुधवार को झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान शून्यकाल में की है। उन्होंने कहा कि इस डिग्री कॉलेज का भवन विगत कई वर्षों से बनकर तैयार है, जिसमें प्राक्कलन अनुरूप गुणवत्ता पूर्वक कार्य नहीं किया गया है। इस तथ्य का खुलासा राज्यपाल द्वारा गठित समिति द्वारा भी हुआ है तथा कई त्रुटियों का निराकरण नहीं होने के कारण भवन का उद्घाटन नहीं हो पाया है तथा शैक्षणिक सत्र अभी तक प्रारंभ नहीं हो पाया है। इसके कारण हजारों छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने सदन के माध्यम से सरकार से यह मांग है कि उक्त त्रुटियों का निराकरण करते हुए डिग्री महाविद्यालय का उद्घाटन करते हुए आगामी शैक्षणिक सत्र से शिक्षण कार्य प्रारंभ कराया जाय और निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने वाले संवेदक एवं दोषी पदाधिकारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने की जाए। इसके पूर्व उन्होंने 24 प्रखंडों के सृजन के निर्णय को लागू करने की भी मांग की।

हिदायत गोमिया की पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों की हुई गहन समीक्षा

योजनाएं तय समय पर करें पूरी : बीडीओ

संवाददाता

गोमिया : गोमिया प्रखण्ड कार्यालय सभाकक्ष में प्रखंड विकास पदाधिकारी कपिल कुमार ने गोमिया प्रखण्ड की पंचायतों में चल रही मनरेगा योजनाओं के तहत आम बागवानी, प्रधानमंत्री आवास योजना, डोभा सहित पूर्व से लंबित अन्य योजनाओं को लेकर एक बैठक की। इस बैठक में कनीय अभियंता, बीपीओ पवन गुप्ता, पंचायत सचिव व रोजगार सेवक उपस्थित थे। बीडीओ कपिल कुमार ने योजनाओं की समीक्षा की और पूर्व से लंबित योजनाओं को अतिशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश देते हुए कहा कि हर हाल में निर्धारित समय सीमा में योजनाओं को पूरा करें। यदि मनरेगा योजनाओं को पूरा करने में कोई समस्या है तो उन्हें अवगत कराया जाए, ताकि समस्या का समाधान कर योजनाओं को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि आम बागवानी योजना के तहत जितनी भी योजनाओं का चयन किया गया है, उनको शुरू करना है, ताकि समय से मैंगो प्लांटेशन हो सके। इसके अलावा मनरेगा योजना से प्लेग्राउंड भी जल्द शुरू करवाना है।

बैठक में पंचायत सचिव मो सलीम, रोजगार सेवक भोला महतो, छोटेलाल,पन्नालाल शर्मा, कपिलदेव रविदास, विनय गुरु, कौशल किशोर, इकराम शम्शी, विशाल डे, खुलेश्वर महतो, शिवशंकर, विष्णु महतो, नवीन कुमार, मनोज कुमार सहित अन्य मनरेगाकर्मी उपस्थित थे।

हफ्ते की हलचल

साइबर सुरक्षा व रोजगार के अवसर पर सेमिनार

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट कालेज, बोकारो में 'साइबर डिफेंस एंड जॉब औपर्चुनिटीज' विषय पर सेमिनार आयोजित हुआ। इसके मुख्य वक्ता साइबर विद्यापीठ, फरीदाबाद के चेयरमैन शशांक शेखर गरुवरुयार रहे तथा अतिथि वक्ता टीईडीएक्स कतरा, पुणे से आए ट्रांसफार्मेशन एक्सपर्ट हिमांशु शेखर थे। उन्होंने सफलता के सूत्र विषय पर प्रभावशाली संबोधन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप-प्रज्वलन और अतिथियों के स्वागत से हुआ। कालेज निदेशक डा. प्रियदर्शी जरूहार ने स्वागत वक्तव्य दिया। सेमिनार में 150 छात्रों और प्राध्यापकों ने भाग लिया। एन.एस.एस. के समन्वयक डा. ए. पी. बर्णवाल तथा स्वयंसेवी छात्रों ने योगदान दिया। सेमिनार का समन्वयन प्रा. भास्करानंद व प्रा. दिवाकर ने किया। मंच का संचालन छात्रा अदिति शर्मा ने किया। संस्थान के अध्यक्ष श्री तरसेम सिंह तथा सचिव श्री सुरेंद्र पाल सिंह ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

डीपीएस बोकारो में अभिभावकों को दी शैक्षिक पद्धति की जानकारी

बोकारो : शैक्षणिक सत्र 2023-24 में डीपीएस बोकारो में नामांकित बच्चों के अभिभावकों के लिए इन्सेप्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कक्षा प्री-नर्सरी और नर्सरी में नव-नामांकित विद्यार्थियों के अभिभावक इसमें शामिल हुए। विद्यालय की प्राइमरी इकाई के भरतमुनि कला भवन में आयोजित इस कार्यक्रम के जरिए अभिभावकों को विद्यालय और उसकी शैक्षिक पद्धति से अवगत कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने कहा कि बच्चों को हॉलिस्टिक एजुकेशन (समग्र शिक्षा) देना और उनका सर्वांगीण विकास करना ही डीपीएस बोकारो का उद्देश्य है। इसके लिए जरूरी है कि अभिभावकों का भी समुचित सहयोग मिले। अभिभावक बच्चों को क्वालिटी टाइम जरूर दें। अपनी आकांक्षाएं उन पर न थोपें।

ज्ञान-विज्ञान मेले में बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

बोकारो : नगर के सेक्टर- 5 स्थित चिन्मय विद्यालय के तपोवन सभागार में शनिवार को ज्ञान-विज्ञान मेला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों ने विभिन्न प्रदर्शों के जरिए अपनी बौद्धिक प्रतिभा तथा सृजनात्मक शक्ति का कुशल प्रदर्शन किया। सत्र 2022-23 के लिए झारखंड स्टडी टुडे, टुमौरो थीम पर आयोजित इस वार्षिक विज्ञान मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि चिन्मय मिशन, बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को सराहते हुए कहा कि केवल विज्ञान से नैतिक मूल्यों का विकास नहीं होता, इसके लिए आध्यात्म की आवश्यकता है। मौके पर अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी एवं प्राचार्य सूरज शर्मा ने बच्चों के प्रदर्शों का अवलोकन किया। मेले में झारखंड की भूगर्भीय संरचना, जलवायु, मिट्टी, खनिज, कृषि, पशुपालन, इतिहास, वनस्पति, जीव-जंतु, भाषा, नृत्य, साहित्य, संस्कृति, उत्सव, शिक्षा, खान-पान, आर्थिक, संरचनात्मक विकास एवं भविष्य की संभावना आदि विषयवस्तुओं पर 16 स्टाल लगाए गए थे, जहां 218 छात्र-छात्राओं अपने प्रदर्श दिखाए। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। आयोजन की सफलता में शैवाल कुमार, गोपाल चंद्रमुंशी, देवज्योति बोराल, प्रिया राजीव, सोनाली गुप्ता, शिबेन चक्रवर्ती, जयकिशन राठौर, रूपक झा, दिनेश कुमार, पद्मावती घरई, रेणु साह आदि की अहम भूमिका रही।

स्वास्थ्य व स्वच्छता जागरुकता पर कार्यशाला

बोकारो : डीपीएस चास में स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस प्रोग्राम पर दोदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें विद्यालय के सभी शिक्षकों ने सक्रिय रूप से सहभागिता निभाकर विद्यालय स्वास्थ्य एवं कल्याण का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्या दीपाली भुस्कुटे ने भावनात्मक कल्याण और मानसिक स्वास्थ्य, पारस्परिक संबंध, मूल्य और जिम्मेदार नागरिकता जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारियां दीं। प्रशिक्षण की उपयोगिता व महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय की चीफ मेंटर डॉ हेमलता एस मोहन ने कहा कि स्वास्थ्य प्रशिक्षण देखभाल प्रणाली के महत्त्वपूर्ण घटकों में से एक है, जो स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य पर कड़ी निगरानी रखने में मदद करता है। यह बच्चों को शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां प्रदान कर चिंताओं से मुक्त रखता है। अंत में बैलून के साथ संतुलन रखने की गतिविधि के साथ ही कार्यशाला के पहले दिन के कार्यक्रम का समापन हुआ।

हिन्दी-प्रोत्साहन को ले मंत्रालय कटिबद्ध : अखिल

विशेष संवाददाता

रांची : सूचना प्रसारण मंत्रालय के रांची स्थित विभागों पत्र सूचना कार्यालय और केंद्रीय संचार ब्यूरो, रांची की ओर से संयुक्त रूप से त्रैमासिक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता पीआईबी- सीबीसी, रांची के अपर महानिदेशक अखिल कुमार मिश्रा ने की। वहीं, विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में वरिष्ठ पत्रकार सह पूर्व राज्य सूचना आयुक्त बैजनाथ मिश्र एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय तथा उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय में हिंदी सलाहकार समिति के सदस्य विनय कुमार मुख्य रूप से शामिल हुए। दीप प्रज्वलन उपरांत अपने अध्यक्षीय संबोधन में पीआईबी सीबीसी के एडीजी अखिल कुमार मिश्रा ने कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है। झारखंड एक 'क' क्षेत्र राज्य है, अतः मंत्रालय अपने कार्यालयों में इस मीटिंग का ससमय आयोजन कर सभी कर्मी को हिंदी में बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहन देने का कार्य करता है।

हिन्दी का उपयोग काम बनाता है आसान : मिश्र

झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त एवं वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र ने बताया कि हिंदी में काम को आसान तरीके से किया जा सकता है। साथ ही उन्होंने हिंदी के सरल शब्दों का उपयोग करने एवं सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक शुद्ध रूप से लिखने की बात कही। उन्होंने जोर दिया कि हिंदी आम जनों की भाषा है, यह व्यापार की भी हमारे देश में मुख्य भाषा है। अतः हिंदी भाषियों को खासतौर पर गर्व से अपनी मातृभाषा में कार्य करना चाहिए।

पीआईबी, केंद्रीय संचार ब्यूरो की कार्यशाला में हिन्दी में अधिकाधिक कार्य करने पर चर्चा

तकनीक ने बढ़ाई हिन्दी में काम करने की क्षमता : विनय

वरिष्ठ पत्रकार विनय कुमार ने हिंदी के आज के तकनीकी युग में विकास पर बात रखते हुए कहा कि वॉइस टाइपिंग, यूनिकोड, गूगल, इत्यादि जैसे तकनीको ने हिंदी में काम करने की क्षमता को बढ़ाया है। हिंदी में काम करना अब काफी आसान है। हम चाहें तो कभी भी कहीं से अपने मोबाइल के जरिए हिंदी में अपनी रिपोर्ट या ईमेल लिख सकते हैं। आगे उन्होंने बताया कि कैसे हिंदी भाषा के ऑनलाइन उपयोग करने वालों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है। गूगल रिपोर्ट के मुताबिक जहां अंग्रेजी में सर्च करने वालों की संख्या 10 से 19% के हिसाब से प्रतिवर्ष बढ़ रही है, वहीं हिंदी सर्च करने वालों की संख्या 80 से 94% की दर से बढ़ोतरी कर रही है।

सरकारीकर्मियों को सुगम प्रशिक्षण आवश्यक : हामिद

कार्यशाला में ऑल इंडिया रेडियो न्यूज डिवीजन रांची के संयुक्त निदेशक अब्दुल हामिद ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि किसी भी सरकारी कार्यालय में काम करने वाले भिन्न-भिन्न क्षेत्र के लोग होते हैं। कोई हिंदी क्षेत्र का भी कर्मचारी होता है तो कोई दूसरी भाषा के क्षेत्र का। ऐसे में सबको राजभाषा में काम करने के लिए दक्षता देने हेतु कैसे सुगम ट्रेनिंग दी जाए। इसके बारे में लगातार बेहतरी से काम करने की आवश्यकता है। इस कार्यशाला के आयोजन में केंद्रीय संचार ब्यूरो रांची के कार्यालय प्रमुख श्री शाहिद रहमान की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने अतिथियों का फूल और पौधा देकर स्वागत किया, और धन्यवाद ज्ञापन भी किया। क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी महविश रहमान ने इस कार्यशाला का संचालन किया, जबकि क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी गौरव पुष्कर ने विषय प्रवेश कराया और राजभाषा के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी एवं पीआईबी रांची के कार्यालय प्रमुख ओंकार नाथ पांडेय ने स्वागत भाषण दिया।

जरूरतमंद बच्चों के लिए वरदान साबित हो रहा डेलाइट ट्रस्ट

युवाओं को बेहतर नागरिक बनाना उद्देश्य : डॉ. हाजरा

प्रख्यात एक्यूपंक्चर व स्पाइन चिकित्सक ने मानवता को ले बढ़ाया बड़ा कदम

विशेष संवाददाता

रांची : चिकित्सा और आयुष के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान से नवाजे गए देश के प्रख्यात एक्यूपंक्चर व स्पाइन चिकित्सक डॉ. राजेंद्र कुमार हजरा ने अब मानवता की सेवा में एक और बड़ा कदम बढ़ाया है। समाजसेवी संस्था 'डेलाइट ट्रस्ट' से जुड़कर डॉ. हाजरा 500 बच्चों को गोद लेकर उन्हें एक बेहतर नागरिक बनाने के लिए संकल्पबद्ध हैं। डेलाइट ट्रस्ट के झारखंड एसोसिएट हेड (प्रमुख) डॉ. हाजरा ने कहा कि इस ट्रस्ट के चेयरमैन शैलेंद्र कुमार जी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना- 'पढ़ेगा इंडिया, बढ़ेगा इंडिया' को साकार करने में पूरी तन्मयता के साथ लगे हुए हैं। डॉ. हाजरा ने बताया कि डेलाइट ट्रस्ट आज जरूरतमंद बच्चों के लिए सही मायने में वरदान साबित हो रहा है, जो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को अपनी ओर से असाधारण सुविधाएं प्रदान कर रहा है। उन्होंने बताया कि हम सभी जानते हैं कि आज उच्च शिक्षा के नाम पर लोग ठगे जा रहे हैं। दलालों के चक्कर में आकर अभिभावक लाखों-लाख रुपया लुटा देते हैं, लेकिन नतीजा कुछ भी नहीं निकलता और वे धोखाधड़ी के शिकार हो जाते हैं। लेकिन, डेलाइट ट्रस्ट का उद्देश्य छात्रों को प्राइवेट यूनिवर्सिटी के मकड़जाल से बचाना है। ट्रस्ट किसी भी छात्र और छात्रा का नामांकन किसी भी प्राइवेट यूनिवर्सिटी में नहीं कराता है और न ही उसमें नामांकन लेने की सलाह देता है।

उन्होंने बताया कि डेलाइट ट्रस्ट अपने माध्यम से छात्रों का एडमिशन केवल सरकारी यूनिवर्सिटी में ही कराता है और इसका मकसद समाज में सभी को पढ़ाई का समान हक दिलाना तथा महंगी उच्च शिक्षा को स्कूली शिक्षा की तरह मुफ्त कराना है। उन्होंने बताया कि देश का जो छात्र 10वीं या 12वीं पास कर गया है, उसे 50% अंक प्राप्त है और वह टेक्निकल कोर्स में एडमिशन लेना चाहता है तो ट्रस्ट बिना जाति, बिना धर्म और समुदाय देखे उस बच्चे की कॉलेज फीस की पूरी जिम्मेदारी उठाता है। डॉ. हाजरा ने बताया कि मेडिकल में एम.बी.बी.एस., बी.ए.एम.एस. और बी.एच.एम.एस. (मेडिकल का साढ़े पांच वर्षीय कोर्स) को छोड़कर उच्च शिक्षा में इंजीनियरिंग, मेडिकल अथवा किसी भी क्षेत्र में अभिभावक इस ट्रस्ट के माध्यम से अपने बच्चों का नामांकन दिलवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि उनका अपना लड़का भी ट्रस्ट के माध्यम से सरकारी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहा है और वे दर्जनों छात्रों को अपने माध्यम से उच्च शिक्षा दिलवा रहे हैं। बच्चों के 100% कॉलेज फीस की जिम्मेदारी इस ट्रस्ट की है। विकसित देश के लिए शिक्षित लोगों की जरूरत होती है। इसलिए उच्च शिक्षा में जरूरतमंद बच्चों के कॉलेज की फीस की जिम्मेदारी लेकर उन्हें एक सफल नागरिक बनाना इस ट्रस्ट का उद्देश्य है। डेलाइट ट्रस्ट बच्चों के रहने खाने और परीक्षा शुल्क को छोड़कर विद्यार्थियों का सभी खर्च अपनी ओर से वहन करता है।

अगर कोई बच्चा 12वीं पास कर इंजीनियरिंग का जेईई इन्टरेंस एक्जाम नहीं पास कर पाता है तो वैसे बच्चे भी इस संस्थान के माध्यम से अपना नामांकन करा सकते हैं और उन्हें भी उसी कॉलेज में शिक्षा मिलेगी, जहां इंटरेंस पास कर गये बच्चे पढ़ाई कर रहे होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई बेरोजगार इस ट्रस्ट के साथ जुड़कर समाजसेवा का यह कार्य करना चाहे तो उसका स्वागत है। उन्होंने कहा कि इच्छुक अभिभावकों या विद्यार्थी विशेष जानकारी के लिए डेलाइट ट्रस्ट के कडरू, रांची स्थित कार्यालय (डॉ. राजेन्द्र कुमार हाजरा, ओल्ड एजी कॉलोनी, हाउस नं.-71, अड़गोड़ा स्टेशन रोड, रांची) अथवा फोन नम्बर-9771830188 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

हर्षोल्लास के साथ होगा बिहार दिवस का आयोजन

मिथिला डायरी

सतीश कुमार झा

सीतामढ़ी : जगतजननी जानकी की जन्मभूमि सीतामढ़ी में इस बार बिहार दिवस समारोह-2023 का आयोजन पूरे धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ होगा। इस आयोजन की तैयारी को लेकर समाहरणालय स्थित विमर्श हॉल में जिलाधिकारी सीतामढ़ी मनेष कुमार मीणा की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में बिहार दिवस-2023 को पूरे हर्षोल्लास एवं उत्सव के रूप में मनाने के मद्देनजर कार्यक्रम की तैयारियों की रूपरेखा पर विमर्श किया गया। साथ ही, ससमय तैयारियों को पूर्ण करने हेतु विभिन्न प्रकार की समितियों यथा-स्वागत समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, खेलकूद समिति, पुस्तक प्रकाशन समिति, विधि-व्यवस्था संधारण समिति, पुरस्कार वितरण समिति तथा अन्य समितियों का गठन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी समितियां अपने स्तर से बैठक कर समय से पूर्व अपनी तैयारियां पूरी कर लें।

बताया गया कि 22 मार्च को सुबह स्कूली बच्चों की प्रभात फेरी के साथ बिहार दिवस का आगाज होगा। दोपहर में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। शाम में डुमरा स्थित हवाई अड्डा मैदान में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन दो दिनों तक होगा, जिसमें बाहरी कलाकारों के साथ स्थानीय कलाकारों की भी सहभागिता होगी। बैठक में अपर समाहर्ता विभागीय जांच कृष्ण प्रसाद गुप्ता, उप विकास आयुक्त विनय कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी रविंद्र कुमार गुप्ता, जिला आपूर्ति अधिकारी अजय कुमार सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

चैत्र नवरात्रि : त्रिशक्ति-साधना का पर्व

– गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

मां दुर्गा के तीनों स्वरूपों के बारे में 'श्री देव्यथर्वशीर्ष' में लिखा है कि 'हे देवी! आप चित्र स्वरूपिणी महासरस्वती हैं। सम्पूर्ण द्रव्य, धन-धान्य रूपिणी महालक्ष्मी हैं तथा आनन्द स्वरूपिणी महाकाली हैं। पूर्णत्व पाने के लिए हम सब तुम्हारा ध्यान करते हैं। हे महाकाली, महासरस्वती, महालक्ष्मी चण्डिके! आपको बारंबार नमस्कार है। मेरी अविद्या, अज्ञान, अवगुण रूपी रज्जु की दृढ़ ग्रंथि काटकर मुझे शक्ति प्रदान करें।'

सनातन परम्परा में शक्ति की साधना अनादि काल से चली आ रही है। क्योंकि, शक्ति ही धर्म है, शक्ति ही जीवन है, शक्ति ही सर्वस्व है। देवी महात्मय के अनुसार सम्पूर्ण जगत उनका ही स्वरूप है। शक्ति की साधना-आराधना का महापर्व है- चैत्र नवरात्रि।

चैत्र नवरात्रि से संवत नववर्ष का प्रारंभ होता है। नवरात्रि के समय शाक्त और शक्ति के बीच भेद समाप्त हो जाता है और यह ज्ञान होता है कि हम आद्याशक्ति के ही अंश हैं। नवरात्रि आत्म विश्लेषण का भी काल होता है, जिसमें हम अपनी पूरी ईमानदारी से अपनी शक्ति का विश्लेषण करते हैं और इस विश्लेषण द्वारा संदेह के बंधनों को काटकर अपने भीतर इन्द्र राज्य, शुद्धता का राज्य स्थापित कर सकते हैं।

नवरात्रि शक्ति त्रिशक्ति पर्व

नवरात्रि पर्व को तीन भागों में विभक्त किया जा सकता है और तीनों शक्ति के ही स्वरूप हैं। नवरात्रि अर्थात नवीन रात्रि और नौ रात्रि तीन देवियों को समर्पित हैं। इसमें प्रथम शक्ति हैं- दुर्गा, द्वितीय शक्ति- लक्ष्मी, जिसे धनदात्री देवी कहा जाता है और तीसरी शक्ति हैं- सरस्वती, जिसे ज्ञान की शक्ति कहा जाता है। यह तीनों शक्तियां संयुक्त रूप से परमात्मा का स्त्री शक्ति रूप में प्रकटीकरण है।

दुर्गा – महाकाली

प्रथम तीन दिवस दुर्गा को समर्पित है। यह क्रिया और ऊर्जा की देवी हैं और उनके भी तीन स्वरूप हैं- कौमारी, पार्वती और काली, जिनकी आराधना प्रथम तीन दिनों में की जाती है। यह तीनों स्वरूप स्त्री के तीन भावों को प्रकट करते हैं। प्रथम भाव बालिका का, द्वितीय भाव पत्नी तथा मां का और तृतीय भाव पूर्ण स्त्री का स्वरूप है।

लक्ष्मी

चतुर्थ, पंचम और षष्टम दिवस लक्ष्मी आराधना का दिवस है। लक्ष्मी जो कि सुख और शान्ति की अधिष्ठात्री देवी हैं, जिससे जीवन पूर्ण रूप से शान्ति और आनन्द भाव से युक्त हो सके। इस शक्ति की आराधना के पीछे केवल धन प्राप्ति ही उद्देश्य नहीं है, अपितु अपने आपको पूर्ण अनुभव करना है। इसी प्रकार धन की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण यह सांसारिक स्थितियों, अर्थात परिवार, मित्र, धन-धान्य इत्यादि की भी अधिष्ठात्री हैं। नवरात्रि के पंचम दिवस, जिसे ललिता पंचमी कहा जाता है, यह दिन बालकों के लिए और परिवार के लिए विशेष सिद्धिदायक दिवस है, जिस दिन सारी पुस्तकों को एकत्र कर उनकी पूजा की जाती है और दीप प्रज्वलित कर ललिता का आह्वान किया जाता है।

सरस्वती

नवरात्रि के अंतिम तीन दिन सरस्वती दिवस, अर्थात ज्ञान दिवस कहे जाते हैं। इन तीन दिनों में सरस्वती की विशेष पूजा-आराधना की जाती है, क्योंकि इन दिनों में सांसारिक ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की आराधना की जाती है, जिससे इस संसार के बंधनों से आत्म रूप से मुक्त हो सकें।

यह सत्य है कि मनुष्य विभिन्न प्रकार की इच्छाओं, स्थितियों, वस्तुओं से आनंद प्राप्ति का प्रयास करता है, लेकिन इसके उपरांत भी अपने आपको अपूर्ण पाता है और संतुष्ट नहीं हो पाता। वेदान्त सिद्धान्त के अनुसार मनुष्य जीवन का लक्ष्य आत्मज्ञान प्राप्त कर आत्म शान्ति प्राप्त करना है और यह स्वयं को जानकर ही प्राप्त किया जा सकता है।

वैदिक सिद्धान्त के अनुसार अपने आपको समझने के लिए शुद्ध मानस की आवश्यकता है। मनुष्य के भीतर अंतःकरण निरंतर क्रियाशील होना चाहिए। जीवन की माया, क्रोध और काम की बाधाओं को समाप्त करने के लिए शक्ति साधना उपयुक्त मार्ग है।

मां दुर्गा के तीनों महान स्वरूपों के बारे में 'श्रीदेव्यथर्वशीर्ष' में लिखा है कि हे देवी! आप चित्त स्वरूपिणी महासरस्वती हैं। सम्पूर्ण द्रव्य, धन-धान्य रूपिणी महालक्ष्मी हैं तथा आनंद स्वरूपिणी महाकाली हैं। पूर्णत्व पाने के लिए हम सब तुम्हारा ध्यान करते हैं। हे महाकाली, महासरस्वती, महालक्ष्मी चण्डिके! आपको बारंबार नमस्कार है। मेरी अविद्या, अज्ञान, अवगुण रूपी रज्जु की दृढ़ ग्रंथि काटकर मुझे शक्ति प्रदान करें।'

शक्ति-प्राप्ति का तात्पर्य बल से नहीं लगाया जा सकता। यद्यपि व्यवहार में 'शक्ति' का प्रयोग इसी रूप में व्यवहृत किया जाता है, किन्तु शास्त्रीय व्याख्या के अनुसार 'शक्ति' शब्द में 'श' ऐश्वर्य सूचक तथा 'क्ति' पराक्रम सूचक है। शक्ति का ही अन्य पर्यायवाची शब्द प्रकृति भी है तथा प्रकृति शब्द का 'प्र' सत्व गुण सूचक 'कृ' रजोगुण सूचक एवं 'ति' तमोगुण सूचक घोषित किया गया है। इसका स्पष्ट अर्थ यही है कि प्रकृति अर्थात पराशक्ति त्रिगुण स्वरूप को अपने में समाहित किए हुए हैं, जिसकी उपासना महाकाली, महालक्ष्मी एवं महासरस्वती के रूप में करते हैं। नवरात्रि की मूल भावना इन्हीं तीनों शक्तियों की आराधना-साधना एवं इससे भी अधिक उनके वरदाय प्रभाव की प्राप्ति की कामना ही है। **(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)**

22 से 30 मार्च, 2013 : चैत्र नवरात्रि पर विशेष

नवरात्रि पर्व क्यों आवश्यक

नवरात्रि की ये नौ रात्रियां अपने आपमें तीन आदि शक्तियों, अर्थात दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती को शक्ति साधना द्वारा जीवन में अनुकूल करने की रात्रियां हैं। इन्हीं त्रिशक्तियों से ही जगत की समस्त शक्तियों का उद्भव और संचरण हुआ है। नवरात्रि के प्रथम दिन दिवसों में महाकाली की, अगले तीन दिनों में लक्ष्मी की एवं अंतिम तीन दिनों में सरस्वती की उपासना की जाती है। चैत्र नवरात्रि के इन विशेष क्षणों में देवी के त्रिगुणात्मक स्वरूप की तांत्रोक्त पद्धति से पूजन कर साधना करें। जीवन का श्रेष्ठ निर्माण इन्हीं तीनों शक्तियों से संभव है। नवरात्रि में कुछ नियमों का पालन विशेष रूप से करना चाहिए। नवरात्रि के अनुष्ठान को शक्ति तत्व जागरण अनुष्ठान कहा जाता है और नवरात्रि ही एक ऐसा पर्व है, जिसमें महाकाली, महालक्ष्मी और मां सरस्वती की साधना सम्पन्न कर उन्हें अपने जीवन में जागृत किया जा सकता है।

अंकुरित नाश्ता- अच्छी सेहत का अंकुरण

नाश्ते में आपने स्प्राउट्स यानी कि अंकुरित अनाज तो कई बार खाया होगा। कई लोग इसे तरह-तरह से पकाकर खाते हैं, यहां तक कि इसकी सब्जी भी बनाई जाती है। यह तो आपको पता ही है कि अंकुरित अनाज खाना सेहत के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसे खाने से आखिर कौन से तत्व मिलते हैं और कैसे ये आपकी सेहत को फायदा पहुंचाते हैं? आइए, जानते हैं स्प्राउट्स को नियमित खाने के लाभ-

1. अंकुरित आहार में क्लोरोफिल, विटामिन ए, बी, सी, डी और के भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो कैल्शियम, फस्फोरस, पोटैशियम, मैग्नीशियम, आयरन जैसे खनिज लवणों का बेहतर स्रोत है।

2. अंकुरित होने पर अनाज में पाया जाने वाला स्टार्च- ग्लूकोज, फ्रुक्टोज एवं माल्टोज शर्करा में बदल जाता है, जिससे न केवल इनका स्वाद बढ़ता है, बल्कि इसके पोषक तत्वों और पाचक गुणों में भी वृद्धि हो जाती है।

इसलिए सादे अनाज की तुलना में अंकुरित अनाज को अधिक पौष्टिक माना जाता है।

3. अंकुरण की प्रक्रिया के बाद अनाज में पाए जाने वाले कार्बोहाइट्रेड व प्रोटीन और अधिक पाचक व पौष्टिक हो जाते हैं। ये पाचन-क्रिया को और भी बेहतर बनाने में बहुत ही लाभकारी साबित होते हैं।

4. खड़े अनाज व दालों के अंकुरण से पोषक तत्वों खासतौर से विटामिन-सी, बी-कम्प्लेक्स, थायमिन, राइबोफ्लेविन व नायसिन की मात्रा दोगुनी हो जाती है। इसके साथ ही शरीर में विटामिन 'ए' के निर्माण में सहायक केरोटीन की मात्रा में भी वृद्धि होती है।

5. अंकुरित आहार को नियमित तौर पर लेने से रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा होता है और शरीर के हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है।

6. अंकुरित अनाज को अमृत के समान आहार माना जाता है। इसके प्रतिदिन सेवन से शरीर स्वस्थ और लंबे समय तक युवा रहता है। यह आपको ऊर्जावान बनाए रखने में बेहद कारगर साबित होता है।

7. अंकुरित अनाज में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है, जिसे खाने के बाद आपका पेट देर तक भरा रहता है। ऐसे में आप अतिरिक्त कैलोरी लेने से बच जाते हैं और मोटापा भी नहीं बढ़ता।

8. अंकुरित अनाज को कच्चा खाना अधिक फायदेमंद होता है। आप चाहें तो इसमें कुछ सब्जियों को काटकर मिला सकते हैं और नींबू या दही के साथ भी प्रयोग कर सकते हैं। पकाकर खाने पर इनके पोषक तत्व कम या नष्ट हो जाते हैं।

– प्रस्तुति : गंगेश

उड़न-3 : 'मानवता के लिए दौड़ो, राष्ट्र के लिए दौड़ो'

डालमिया बोकारो ने देवघर में जी20 शिखर सम्मेलन, सांसद खेल महोत्सव और कैंसर जागरुकता की थीम के तहत कराया 'रनथॉन'

संवाददाता

देवघर/बोकारो : झारखण्ड के देवघर शहर में जी20 शिखर सम्मेलन, सांसद खेल महोत्सव और कैंसर जागरुकता की थीम के तहत डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड बोकारो, इनर व्हील क्लब और रोटरी क्लब के तत्वावधान में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए उड़न-3 रनथॉन का आयोजन किया गया। डालमिया सीमेंट (जेसीडब्ल्यू), बोकारो और दोनों संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रनथॉन कार्यक्रम की शुरुआत देवघर स्थित आरके मिशन विद्यापीठ, तिवारी चौक से हुई। इस भव्य आयोजन में गोड्डा, दुमका, देवघर और आसपास इलाके के करीब 10000 पुरुषों और महिलाओं ने भाग लिया। पुरुषों के लिए कुल दूरी 10.5 किलोमीटर और महिलाओं के लिए 5.5 किलोमीटर निर्धारित किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गोड्डा के सांसद डॉ. निशिकांत दुबे शामिल हुए।

'स्वस्थ देवघर के लिए दौड़ो, खेलों के लिए दौड़ो, मानवता के लिए दौड़ो, एकता के लिए दौड़ो और राष्ट्र के लिए दौड़ो' के मूलमंत्र को साझा करते हुए डॉ. निशिकांत दुबे ने कार्यक्रम में भाग लिए पुरुषों और महिलाओं का हौसला अफजाई करते हुए मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड के समीर लॉरेंस (झारखंड सेल्स हेड), नीरज कुमार (एरिया सेल्स मैनेजर), अन्य डालमिया सीमेंट के अधिकारी और क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

फिट इंडिया है बेस्ट इंडिया : प्रिय रंजन

इस अवसर पर डालमिया सीमेंट (जेसीडब्ल्यू), बोकारो के उप कार्यकारी निदेशक और यूनिट हेड प्रिय रंजन ने देवघर की जनता को बधाई दी और अपने सन्देश में कहा डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड में हम मानते हैं कि 'फिट इंडिया, बेस्ट इंडिया है'। डालमिया सीमेंट सभी ऐसी पहलों को प्रोत्साहित करता है और उनका पूरी तरह से समर्थन करता है, जो एक्टिव और हेल्दी लाइफस्टाइल के बारे में जागरूकता बढ़ाती हैं। हमारे समुदायों के सतत विकास और एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए, सभी उम्र के लोगों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। आज हर एक प्रतिभागी ने शक्ति और धैर्य का उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। प्रतिभागियों के लिए आयोजकों ने रनथॉन कार्यक्रम के रास्ते में पेयजल और जूस की व्यवस्था की गई थी।

मजबूत समुदाय-निर्माण का प्रयास भी जारी

उल्लेखनीय है कि डालमिया भारत देशव्यापी सीमेंट प्लेयर है। यह झारखण्ड के बोकारो में आ रही अपने यूनिट- 2 के साथ अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराता है। डालमिया सीमेंट देश का चौथा सबसे बड़ा सीमेंट प्लेयर है और पोर्टलैंड स्लैग सीमेंट का सबसे बड़ा निर्माता भी है। पोर्टलैंड स्लैग सीमेंट पर्यावरण के अनुकूल सीमेंट है। डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड का झारखंड परिचालन, इसके बोकारो स्थित प्लांट से होता है। कंपनी बोकारो में आर्थिक विकास के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास, पर्यावरण संरक्षण, कौशल विकास और उद्यमिता पहलों में भागीदारी के जरिए, मजबूत समुदाय के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रही है।

रेलकर्मियों का हित प्राथमिकता : कमल

धनबाद के नये मंडल रेल प्रबंधक का स्वागत, निवर्तमान की विदाई

संवाददाता

धनबाद : रेलवे आडिटोरियम धनबाद में ईस्ट सेन्ट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में धनबाद के नवागत मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा का जहां स्वागत किया गया, वहीं निवर्तमान मंडल रेल प्रबंधक आशीष बंसल को विदाई दी गई। कार्यक्रम का संयोजन वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अजीत कुमार ने किया और मंच संचालन ईसीआरकेयू के केन्द्रीय कोषाध्यक्ष ओ पी शर्मा ने किया। इस क्रम में सुमन गिरि, मुकेश ठाकुर, अमित कुमार तथा पूनम झा द्वारा स्वागत गीत एवं अन्य गानों की बेहतरीन प्रस्तुति ने उपस्थित विभागीय अधिकारियों और रेलकर्मियों को भाव-विभोर कर दिया। मौके पर यूनियन के अध्यक्ष डीके पांडेय ने पूर्व मंडल रेल प्रबंधक के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए उनके चुनौतियों से भरे कार्यों की सराहना की। जबकि, नये मंडल रेल प्रबंधक श्री सिन्हा से रेलकर्मियों के लिए कल्याणकारी नीतियों के अंतर्गत प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी करने की उम्मीद जतायी।

पूर्व मंडल रेल प्रबंधक आशीष बंसल ने रेलकर्मियों के व्यापक हितों की रक्षा में ईसीआरकेयू की सक्रियता की प्रशंसा करते हुए संगठन की ओर से अपेक्षित सहयोग दिये जाने के प्रति आभार जताया। जबकि, नवागत मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा ने रेलकर्मियों के हितों के मामले को प्राथमिकता देने का भरोसा देते हुए मंडल को राजस्व अर्जित करने में अव्वल बनाये रखने में सभी से सहयोग की अपेक्षा की।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक आशीष झा एवं अशोक कुमार महथा, वरीय मंडल परिचालन प्रबंधक अंजय तिवारी, वरीय मंडल कार्मिक अधिकारी अजीत कुमार, मुकेश कुमार, चंद्रशेखर प्रसाद सहित कई विभागों के वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में ईसीआरकेयू के केन्द्रीय अध्यक्ष डी के पांडेय, अपर महामंत्री मो ज्याऊद्दीन, सहायक महामंत्री ओमप्रकाश, केन्द्रीय कोषाध्यक्ष सह एआईआरएफ के जोनल सेक्रेटरी ओ पी शर्मा, एन के खवास, बी बी सिंह, बी के झा, चंदन शुक्ल, बसंत दूबे, नेताजी सुभाष, सोमेन दत्ता, महेंद्र प्रसाद महतो, सुनील कुमार सिंह, सी पी पांडेय, वी के डी द्विवेदी तथा बी के साव आदि का योगदान रहा।

चल जंगल चल

कुमार मनीष अरविन्द

चल जंगल चल, चल जंगल
अन्य जंतुओं के भी हैं दल
श्रेष्ठ-बलिष्ठों का है सम्बल
हरदल का है रक्षण होता
वन में ना आरक्षण होता
बेहतर दिखते हैं मानव से
ये जन्तु, सच, जंगल के कई बार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल
प्राणी चाहे हिंस्र वे दिखें
गाथा रह-रह युद्ध की लिखें
किन्तु प्रेम तब भी है भीतर
यही रहस्य बड़ा धरती पर
हिंसक जन्तु प्रेम प्रकटते
इस मुद्दे पर करना सघन विचार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

जूनियर विश्व कबड्डी विजेता सागर लौटा

कबड्डी संघ ने दी 50 हजार रुपए की सम्मान-राशि

संवाददाता

बोकारो : जूनियर विश्व कबड्डी विजेता टीम इंडिया के ऑलराउंडर खिलाड़ी बोकारो के लाल सागर के बोकारो आगमन पर उसका यहां जिला कबड्डी संघ द्वारा भव्य स्वागत किया गया। भारतीय स्टार प्लेयर सागर के आगमन की सूचना बोकारो के खिलाड़ियों एवं खिलाड़ियों को पहले ही हो चुकी थी, जिसके कारण सैकड़ों की संख्या में क्या बालक, क्या बालिका सभी सुबह से ही बोकारो स्टेशन पहुंचने लगे। जैसे ही जनशताब्दी स्टेशन पहुंची, पूरा स्टेशन भारत माता की जय और बोकारो का लाला सागर जिंदाबाद के गगनभेदी नारो एवं ढोल-नगाड़ों की आवाज से गूंज उठा। स्टेशन पर जिला कबड्डी संघ के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर सागर का अभिनंदन किया। तत्पश्चात खिलाड़ियों ने फूल माला से सागर को लाद दिया। सागर को खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों द्वारा स्टेशन से लेकर नया मोड़ होते हुए बोकारो परिसदन तक जुलूस की शक्ल में पहुंचाया गया। इस दौरान सागर ने बिरसा मुंडा जी के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। इसके बाद बोकारो परिसदन में सागर के सम्मान में आयोजित समारोह में बोकारो जिला कबड्डी संघ की ओर से उसे 50 हजार रुपए की राशि देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के महासचिव बिपिन कुमार सिंह, कोच तेजनारायण, नीरज, संजय, प्रेम प्रकाश, प्रद्युम्न, पवन सिंह, चंदू प्रसाद, विक्की, मंजू, धीरज, कृष्ण कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी उपस्थित थे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा दामिनी प्रिन्टर्स, जेब्री.- 12, सिटी सेन्टर, सेक्टर-4, बोकारो से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा**, फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)

भारत-बांग्लादेश संबंधों में नए अध्याय की शुरुआत : प्रधानमंत्री

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन (आईबीएफपीएल) को दोनों देशों के बीच संबंधों को एक नये अध्याय की शुरुआत बताया और कहा कि इस पाइपलाइन के माध्यम से उत्तरी बांग्लादेश को प्रति वर्ष एक मिलियन टन डीजल की आपूर्ति की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शनिवार को वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन का उद्घाटन किया। यह भारत और बांग्लादेश के बीच सीमा पार पहली ऊर्जा पाइपलाइन है, जिसे 377 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाया गया है, जिसमें से पाइपलाइन के बांग्लाादेश में निर्मित हिस्सें पर लगभग 285 करोड़ रुपये की लागत आई है जिसे अनुदान सहायता के तहत भारत सरकार ने वहन किया है। पाइपलाइन में प्रति वर्ष 1 मिलियन मीट्रिक टन हाई- स्पीड डीजल (एचएसडी) पहुंचाने की क्षमता है। यह शुरुआत में उत्तरी बांग्लादेश के सात जिलों में हाई स्पीड डीजल की आपूर्ति करेगी। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-बांग्लादेश संबंधों में आज एक नए अध्याय की शुरूआत हुई है।

भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन की नींव हमने सितंबर 2018 में रखी थी। कोविड के बावजूद इस प्रोजेक्ट पर काम चलता रहा और खुशी है कि आज प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ इसका उद्घाटन करने का अवसर आ गया। उन्होंने कहा कि इस पाइपलाइन से उत्तरी बांग्लादेश के विभिन्न जिलों को एक मिलियन मीट्रिक टन हाई स्पीड डीजल की आपूर्ति की जा सकेगी। विश्वास है कि यह पाइपलाइन बांग्लादेश के

विकास को और गति देगी, और दोनों देशों के बीच बढ़ती कनेक्टिविटी का भी उत्कृष्ट उदाहरण रहेगी। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में प्रधानमंत्री शेख हसीना के कुशल नेतृत्व में बांग्लादेश ने बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। इसी का परिणाम है कि कोविड महामारी के दौरान हमें रेल नेटवर्क के द्वारा बांग्लादेश को ऑक्सीजन आदि भेजने में सुविधा रही।

पुराने व जटिल रोगों से हैं परेशान?
होमियोपैथ से निजात पाने के लिये संपर्क करें-
प्रो. डॉ. काशीश्वर किशोर DHMS (Distinction), B.H.M.S (BU).
प्रो. भूपेन्द्र नारायण मंडल होमियोपेथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, सहरसा
पूर्व सदस्य- होमियोपैथिक मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
बैठने का स्थान : शॉपिंग सेन्टर, शॉप नं. 58, पहला तल्ला, को-ऑपरेटिव कॉलोनी, बीएस सिटी
(प्रातः 9.30- दोपहर 12.15 एवं संध्या 5.30-6.30)
Mob.- 9431162319 (Consultation after appointment only).

'भारत में स्टार्टअप का बड़ा इकोसिस्टम तैयार'

नई दिल्ली : 'आज भारत में स्टार्टअप का एक बड़ा इकोसिस्टम तैयार हो गया है। 90 हजार स्टार्टअप और 105 यूनिकॉर्न कंपनियों के साथ भारत स्टार्टअप का केंद्र बन चुका है। आज भारत में रिकार्ड तोड़ विदेशी निवेश हो रहा है। एप्पल का नया कारखाना कर्नाटक में लग रहा है। इस काम को पहले एप्पल कंपनी चीन में करती था, अब भारत में करेगी।' उक्त बातें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। श्री सिंह सिंह लखनऊ के कॉल्विन कॉलेज ग्राउंड में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और श्रीलंका दोनों देश किस तरह के संकट से जूझ रहे हैं, बताने की जरूरत नहीं है। आजकल तो पाकिस्तान में भी इस तरह की बात होने लगी है कि हमारे पास भी मोदी जैसा प्रधानमंत्री होना चाहिए। बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत करने के लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो सुधार किए उसका ही परिणाम है कि आज लोगों का बैंकिंग सिस्टम पर पहले से भी भरोसा मजबूत हुआ है। बैंकिंग में सुधार करने का ही परिणाम है कि जहां अमेरिका और यूरोप के विकसित देशों के बैंक लड़खड़ा रहे हैं, भारत के बैंक काफी मजबूत हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि एक समय था जब एक फोन कर देने भर से लोगों को करोड़ों का लोन दिया जाने लगा। बाद में उन लोन्स की रिकवरी होनी भी मुश्किल हो गई। मोदी ने उस तरह की 'फोन बैंकिंग' बंद कर दी है। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था इस बात पर निर्भर करती है कि वहां शांति व्यवस्था कैसी है और वहां की बैंकिंग व्यवस्था कितनी सुदृढ़ है।

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY
शिवम् हॉस्पीटल में
सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए
मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
एवं लेंस लगाया जाता है।
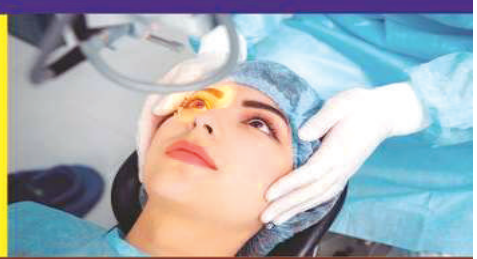
E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631